हरि हरि कंकड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

पीपासर में आए भगवान,
लोवटजी रो मान बढ़ायो भगवान,
हरि हरि ककड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

रोटू नगर में आए भगवान
उमा बाई रो भात भरायो भगवान
हरि हरि ककड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

समराथल मैं आऐ भगवान,
बिश्नोई पंथ चलायो भगवान,
हरि हरि ककड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

नाथुसर में आऐ भगवान,

सेसे रो मान घटायो भगवान,
हरि हरि ककड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

मदन मेवाड़ी थारा गाव गुणगान,
चरणों में शीश निवावे भागवान,
हरि हरि ककड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

हरि हरि कंकड़ी धोरे माथे धाम,
आसन लगायो मारा,
जंभेश्वर भगवान।।

प्रेषक सुभाष सारस्वत
9024909170

Source: https://www.bharattemples.com/hari-hari-kankadi-dhore-mathe-dham/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw